एक वर्षीय बेटे संग मां की आत्महत्या

बक्सवाहा/छतरपुर, 19 मई. बक्सवाहा क्षेत्र के ग्राम शेखसेमरा में हुई मां-बेटे की दर्दनाक मौत ने हर किसी को स्तब्ध कर दिया है. 24 वर्षीय सीमा यादव ने अपने एक वर्षीय बेटे अनिकेत यादव के साथ कुएं में कूदकर जान दे दी.

कुएं में कूदकर मां-बेटे ने दे दी जान

घटना की खबर जैसे ही गांव में फैली, पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए. घटना सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात की बताई जा रही है. ग्रामीणों का कहना है कि महिला ने पहले अपने मासूम बेटे को कुएं में फेंका और बाद में खुद भी छलांग लगा दी.

कुएं में पानी अधिक होने के कारण दोनों को बचाया नहीं जा सका. सुबह खेतों की ओर गए ग्रामीणों को घटना की जानकारी लगी, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई. नैनागिर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद मां-बेटे के शव कुएं से बाहर निकाले गए. शवों को देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई. पूरे गांव में मातम का माहौल है और लोग इस घटना को लेकर स्तब्ध हैं.

परिजनों ने बताया कि सीमा यादव की शादी लगभग तीन वर्ष पहले राम कुमार यादव के साथ हुई थी. परिवार सामान्य रूप से रह रहा था, ऐसे में महिला द्वारा उठाए गए इस आत्मघाती कदम ने सभी को हैरान कर दिया है. घटना स्थल से किसी प्रकार का सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे आत्महत्या के पीछे की वजह फिलहाल साफ नहीं हो सकी है.

पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है. मृतिका के मायके पक्ष, पति और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना के पीछे की असली वजह सामने आ सके. इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे शेखसेमरा गांव में शोक का माहौल है और लोग मासूम बच्चे की मौत पर गहरा दुख जता रहे हैं.

बुजुर्ग की मौत पर शंका के चलते परिजनों ने कराया पोस्टमार्टम

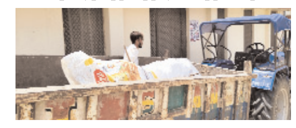

चंदला, 19 मई. छंगा प्रजापति उम्र 74 वर्षीय बुजुर्ग की मौत पर परिजनों ने पॉयजन खाने का संदेह है जिस कारण से चंदला हॉस्पिटल लेकर पहुंचे जहां चंदला पुलिस ने मुआयना किया और जांच जारी की है, लेकिन वही चंदला हॉस्पिटल में रखी ट्रैक्टर पर धूप में डेड बॉडी का की ख्याल नहीं रहा है, डॉक्टरों की मनमर्जी चलती दिखाई दी है, मार्च्यूरी हाउस भी नहीं खोला गया जिससे डेड बॉडी को अंदर रखा जा सके, पीएम के लिए 9 बजे से डेड बॉडी रखी 10 :30 तक धूप में डेड बॉडी रखी रही लेकिन कोई डॉक्टर भी मौजूद नहीं रहे है. हॉस्पिटल में चल रही लापरवाही से जनता परेशान नजर आती है. परिजन राजबहादुर ने बताया कि 18 मई को सुबह स्वास्थ्य ठीक था धूप से आए हुए थे जिससे तबियत बिगड़ गई.

जनजातीय बाहुल्य 66 गांवों में लगेंगे शिविर

कलेक्टर ने टीएल बैठक में दिए कड़े निर्देश

- छतरपुर जिले में जन भागीदारी सबसे दूर
- 25 प्रमुख योजनाओं से संवरेगी जनजातीय आबादी

छतरपुर, 19 मई. जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर छतरपुर जिले में शुरू किए गए 'जन भागीदारी सबसे दूर, सबसे पहले' अभियान को लेकर प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं. इस अभियान के तहत जिले के 66 जनजातीय बाहुल्य गांवों में विशेष लाभार्थी संतृप्ति शिविर आयोजित किए जाएंगे. इन शिविरों का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी परिवारों तक शासन की योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना है. अभियान के दौरान प्रतिदिन गांव स्तर पर स्वास्थ्य शिविर, जनसुनवाई, पौधरोपण, अधिकारियों का पैदल भ्रमण और विभिन्न विभागों की योजनाओं से जुड़ी गतिविधियां आयोजित होंगी. जिले में चयनित गांवों में बक्सवाहा जनपद पंचायत के 49 गांव, बिजावर के 14 गांव तथा बड़ामलहरा, लवकुशनगर और राजनगर के एक-एक गांव शामिल किए गए हैं. अभियान के तहत 17 विभागों की 25 जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों को दिलाने का लक्ष्य रखा गया है. इसमें पक्के मकान, सड़क, शुद्ध पेयजल, बिजली और सोलर कनेक्शन जैसी आधारभूत सुविधाओं के साथ आयुष्मान कार्ड, आंगनवाड़ी सेवाएं, मोबाइल मेडिकल यूनिट और पोषण योजनाएं भी शामिल हैं. इसके अलावा पीएम जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, राशन कार्ड और पीएम किसान कार्ड जैसी योजनाओं का लाभ भी शिविरों में उपलब्ध कराया जाएगा. पहचान संबंधी दस्तावेजों में जाति प्रमाण पत्र, पहचान पत्र और डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए 4जी मोबाइल सेवा जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं. अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशासन ने ग्राम स्तर पर विशेष सर्वे दल गठित किए हैं. इनमें पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, शिक्षक, पटवारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है.

एक नजर में

बिजावर में कार हादसे में दो की मौत

तेज रफ्तार कार पलटी, नवविवाहिता की मौत

बिजावर/छतरपुर, 19 मई. बिजावर थाना क्षेत्र के रानीताल और अंधियारा गांव के बीच मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें नवविवाहिता सहित दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. तेज रफ्तार अर्टिका कार के अनियंत्रित होकर पलटने से यह हादसा हुआ. दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के ग्रामीण मदद के लिए दौड़ पड़े. पनागर निवासी प्रियंका अहिरवार की शादी इसी महीने ग्राम रानीताल में हुई थी। विवाह के बाद मायके पक्ष के लोग प्रियंका को विदा कराकर अर्टिका कार से वापस पनागर ले जा रहे थे. रास्ते में रानीताल के पास अचानक कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पलट गई. प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि वाहन की रफ्तार काफी तेज थी, जिसके कारण चालक नियंत्रण खो बैठा. हादसा इतना भयावह था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए. दुर्घटना की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया. काफी मशक्कत के बाद घायलों को बाहर निकालकर बिजावर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया. अस्पताल में मौजूद डॉक्टर महेश त्रिवेदी ने जांच के बाद 55 वर्षीय मुन्नीलाल और 23 वर्षीय नवविवाहिता प्रियंका अहिरवार को मृत घोषित कर दिया. वहीं हादसे में घायल तीन अन्य लोगों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल छतरपुर रेफर किया गया है. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया. पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार और वाहन का अनियंत्रित होना बताया जा रहा है.

गंजबासौदा में अतिक्रमण पर प्रशासन सख्त

गंजबासौदा 19 मई. शहर में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण को लेकर प्रशासन अब सख्त नजर आ रहा है. पटवारी सभा कक्ष में आयोजित बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई. बैठक में निर्णय लिया गया कि पक्के-कच्चे मकान, दुकान, खोखा और गुमटियों सहित सभी प्रकार के अतिक्रमण बिना किसी पक्षपात के हटाए जाएंगे. अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि कार्रवाई सभी पर समान रूप से होगी और यह मेरा-वह तेरा जैसी स्थिति बर्दाश्त नहीं की जाएगी. नवीन बस स्टैंड की अव्यवस्थित स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा गया कि वहां मनमाने ढंग से दुकानें लगाई जा रही हैं, जिससे पूरा क्षेत्र कचरा घर में तब्दील होता जा रहा है.

तीव्र लू के चलते 'ऑरेंज अलर्ट' जारी, पारा 46 .8 डिग्री के पार

- दोपहर में शहर की सड़कों पर पसरा सन्नाटा
- आगामी तीन दिनों तक भीषण गर्मी से राहत नहीं

छतरपुर, 19 मई. बुंदेलखंड के छतरपुर जिले में इन दिनों सूर्य देव का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है और पूरा इलाका भीषण गर्मी की प्रचंड चपेट में है. लगातार बढ़ते तापमान के बीच मौसम विभाग ने जिले में तीव्र लू यानी हीटवेव को लेकर 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है. सोमवार को सुबह से ही आसमान से बरसती आग और गर्म हवाओं के थपेड़ों ने आम जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया. हालात यह रहे कि दोपहर होते-होते शहर की मुख्य सड़कें और बाजार पूरी तरह से सूने नजर आए. लोग केवल बेहद जरूरी काम होने पर ही पूरी तरह से चेहरा और सिर ढंककर घरों से बाहर निकल रहे हैं. बीते दिन छतरपुर जिले का अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 46.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 47 डिग्री के बेहद करीब पहुंच गया है. वहीं, न्यूनतम तापमान भी 28.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने से रातों में भी भारी उमस बनी हुई है. जिले के प्रमुख कस्बा नौगांव में भी गर्मी ने अपने तेवर दिखाए, जहां अधिकतम तापमान 46.0 डिग्री रिकॉर्ड हुआ. सोमवार को दिन भर 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली गर्म लपटों ने लोगों को झुलसा कर रख दिया. हवा में आर्द्रता का स्तर महज 25 प्रतिशत दर्ज होने से हवा में सूखापन और चुभन ज्यादा महसूस हुई.

सूर्यदेव ने दिखाया रौद्र रूप

लगातार बढ़ती तपन का सीधा असर अब लोगों के स्वास्थ्य पर भी दिखने लगा है. जिला अस्पताल सहित निजी क्लीनिकों में उल्टी, दस्त, चक्कर आने और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है. जिला अस्पताल के मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. शरद मिश्रा के अनुसार, दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक की धूप सबसे ज्यादा घातक होती है, इसलिए इस समयावधि में सीधे धूप के संपर्क में आने से पूरी तरह बचें.

भाजपा नेता विवाद में जांच तेज

वायरल ऑडियो और आरोपों से मचा बवाल

करोड़ों की संपत्ति बनाने के लगे आरोप

छत्तरपुर, 19 मई. भाजपा नेता रवि राजा परमार और उनके परिवार से जुड़े विवाद में अब नए आरोपों ने मामले को और अधिक चर्चाओं में ला दिया है. कुछ दिन पहले संध्या उर्फ ज्ञान राजपूत नामक महिला ने सिविल लाइन थाना और एसपी कार्यालय पहुंचकर भाजपा नेता, उनकी मां और बहू पर घर में घुसकर मारपीट करने के आरोप लगाए थे. अब इस मामले में भाजपा नेता के छोटे भाई रोहित राजा परमार की पत्नी दिव्या राजा परमार ने सामने आकर महिला पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. दिव्या राजा परमार ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में कहा है कि संबंधित महिला लंबे समय से उनके पति रोहित राजा को ब्लैकमेल कर रही थी. उनका आरोप है कि महिला पैसों की मांग करती थी और दबाव बनाकर कई बार रकम ट्रांसफर करवाई गई. दिव्या का कहना है कि जब परिवार को इस पूरे मामले की जानकारी लगी, तब वे महिला के घर पहुंचे, जहां दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ। उन्होंने दावा किया कि इस दौरान उन्हें भी चोटें आई. दिव्या ने महिला पर पूर्व में भी अन्य मामलों में लोगों को फंसाने के आरोप लगाए हैं.

खराब हैंडपंप सुधारने कलेक्टर के सख्त निर्देश

अब मिलावटखोरों पर होगी सख्त कार्रवाई : पार्थ

छतरपुर, 19 मई. छतरपुर में आयोजित टीएल बैठक के दौरान कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने जिले में पेयजल, कानून व्यवस्था, खाद्य सुरक्षा और जनहित योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए. गर्मी के मौसम को देखते हुए उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को खराब हैंडपंपों की तत्काल मरम्मत सुनिश्चित करने को कहा. साथ ही एसडीएम और जनपद सीईओ को हैंडपंपों का भौतिक सत्यापन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है. जल जीवन मिशन की समीक्षा में कलेक्टर ने पंचायतों में जल कर संग्रहण बढ़ाने और बेहतर कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को सम्मानित करने की बात कही. नल जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के बाद खराब हुई सड़कों की मरम्मत के लिए सूची तैयार कर शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए गए. बैठक में खाद्य सुरक्षा को लेकर भी प्रशासन सख्त नजर आया. कलेक्टर ने खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग बढ़ाने और मिलावटखोरों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई करने को कहा. इसके अलावा मेडिकल स्टोरों की संयुक्त जांच और पटाखा एवं अमोनियम नाइट्रेट गोदामों का निरीक्षण करने के निर्देश भी जारी किए गए.

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों पर नाराजगी जताते हुए कलेक्टर ने कहा कि कोई भी शिकायत बिना अटेंड किए नहीं छोड़ी जाएगी. एचडीएफसी बैंक के रीजनल मैनेजर के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए. वहीं, शिक्षा विभाग की 1000 दिनों से अधिक पुरानी शिकायतों के निराकरण पर विशेष जोर दिया गया. लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समय सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों को लेकर तहसीलदार छतरपुर, नौगांव, बक्सवाहा, महाराजपुर, नायब तहसीलदार बंधा, सीएमओ हरपालपुर, जनपद सीईओ छतरपुर और बिजली कंपनी लवकुशनगर के जेई पर आर्थिक दंड लगाया गया है. इसके अलावा गेहूं उपार्जन केंद्रों से उठाव में तेजी लाने, जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों को समय पर पूरा करने और पीएम आवास योजना के लाभार्थियों के आवास पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए.

बमीठा रोड पर बाइक-स्कूटी की भिड़ंत

रॉन्ग साइड बाइक से तीन लोग घायल

छत्तरपुर, 19 मई. बमीठा-खजुराहो रोड पर बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने तीन लोगों को गंभीर रूप से घायल कर दिया. रात करीब 10:30 बजे एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल गलत दिशा से आती हुई सामने से आ रही स्कूटी से जा भिड़ी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और वाहन सवार सड़क पर दूर जा गिरे. हादसे के तुरंत बाद सड़क पर चीख-पुकार मच गई. आसपास मौजूद स्थानीय लोग और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों की मदद शुरू की. दुर्घटना में स्कूटी सवार रवि मिश्रा निवासी बमीठा गंभीर रूप से घायल हुए हैं. वहीं मोटरसाइकिल पर सवार विन्द्रावन कुशवाहा और लखन कुशवाहा को भी गंभीर चोटें आई हैं.

स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एम्बुलेंस सेवा को सूचना दी. एम्बुलेंस के पहुंचने के बाद तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बमीठा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया. घायलों को अंदरूनी चोटें आने की आशंका थी, इसलिए बेहतर इलाज के लिए तीनों को जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया गया. हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई. पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और स्कूटी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मोटरसाइकिल चालक गलत दिशा से वाहन चला रहा था, जिसके कारण यह हादसा हुआ. हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है. स्थानीय लोगों का कहना है कि बमीठा-खजुराहो रोड पर तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी के कारण अक्सर हादसे होते रहते हैं. रात के समय कई वाहन चालक लापरवाही से वाहन चलाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है.

बैठक — आगामी ईदुज्जुहा पर्व को लेकर जिला शांति समिति की बैठक, मुस्तैद रहेगा प्रशासन

28 को सुबह 8 बजे अदा होगी नमाज

- कलेक्टर पार्थ जायसवाल की अध्यक्षता में आवश्यक व्यवस्थाओं पर हुआ मंथन

छतरपुर, 19 मई. आगामी 28 मई 2026 को मनाए जाने वाले ईदुज्जुहा पर्व के मद्देनजर बीते दिन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई. कलेक्टर पार्थ जायसवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में त्योहार को आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण ढंग से मनाने तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ रखने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई. बैठक में नवागत पुलिस अधीक्षक (एसपी) रजत सखलेचा, संयुक्त कलेक्टर बलवीर रमन, एसडीएम प्रशांत अग्रवाल, सीएसपी और मुख्य नगरपालिका अधिकारी सहित समिति के सदस्य एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे. बैठक में त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था और जनसुविधाओं को लेकर सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. कलेक्टर ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देशित किया कि शहर की मुख्य ईदगाह, कोठी पहाड़ मस्जिद, पुरानी ईदगाह, पुरानी जामा मस्जिद और नई जामा मस्जिद पुलिस लाइन परिसर सहित सभी प्रमुख इबादतगाहों के आसपास विशेष साफ-सफाई और चूने का छिड़काव सुनिश्चित किया जाए. इसके साथ ही विद्युत विभाग के कार्यपालन यंत्री को त्योहार के दिन निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने और पीएचई विभाग को पेयजल की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश जारी किए गए हैं.

> बैठक के दौरान नवागत एसपी रजत सखलेचा ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़ा रुख स्पष्ट किया. उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करने वालों और सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक या सांप्रदायिक अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस की सायबर सेल पैनी नजर रख रही है. एसपी ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और यदि क्षेत्र में कोई संदिग्ध गतिविधि या घटना संज्ञान में आती है, तो तत्काल इसकी सूचना जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस को दें. अधिकारियों ने विश्वास जताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी बुंदेलखंड की गंगा-जमुनी तहजीब के साथ यह पर्व हर्षोल्लास से मनाया जाएगा.

विजावर बीईओ घोटाला : मरम्मत के 64 लाख हड़पने का आरोप

- प्राचार्यों से सांठगांठ कर कागजों में निकाली राशि
- सेनि बीईओ की पेंशन रोकने और एफआईआर की तैयारी

छतरपुर, 19 मई. विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) की सेवानिवृत्ति से ठीक पहले शिक्षा विभाग में लाखों रुपये की गंभीर वित्तीय अनियमितता और गबन का मामला प्रकाश में आया है.

गौरतलब है कि क्षेत्र के 16 शासकीय स्कूलों की मरम्मत और बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए स्वीकृत की गई कुल 64 लाख रुपये की राशि धरातल पर बिना कोई कार्य कराए कथित रूप से कागजों में ही आहरित कर ली गई. शासकीय रिकॉर्ड के विपरीत, वास्तविक रूप से इन विद्यालयों में सुधार कार्य के नाम पर एक ईंट तक नहीं लगाई गई है. राज्य सरकार द्वारा शासकीय स्कूलों की स्थिति सुधारने और बच्चों को बेहतर माहौल देने के लिए प्रति स्कूल 4 लाख रुपये की राशि जारी की गई थी. आरोप है कि तत्कालीन बीईओ हिंगवासिया ने संबंधित स्कूलों के प्राचार्यों के साथ कथित रूप से सांठगांठ कर बिना कोई निर्माण या जीर्णोद्धार कार्य कराए पूरी राशि का आहरण कर लिया. इस पूरी वित्तीय प्रक्रिया में न तो अनिवार्य निविदा (टेंडर) प्रणाली का पालन किया गया और न ही कार्यालय में निर्माण कार्य से संबंधित कोई प्रामाणिक रिकॉर्ड या मूल्यांकन पुस्तिका (एमबी) उपलब्ध है.

यह गंभीर मामला उजागर होने के बाद विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों में हड़कंप की स्थिति है. अब इस वित्तीय हेरफेर पर पर्दा डालने और प्रशासनिक लीपापोती करने के उद्देश्य से तकनीकी इंजीनियरों पर पुरानी तारीखों (बैक डेट) में भौतिक सत्यापन की जांच रिपोर्ट तैयार करने का अनुचित दबाव बनाया जा रहा है. इसके अतिरिक्त, इस पूरे कथित घोटाले में राज्य स्तर के एक रसूखदार ठेकेदार की भूमिका को भी संदिग्ध माना जा रहा है, जिसकी विभागीय स्तर पर सूक्ष्मता से जांच की जा रही है.

इस गंभीर वित्तीय गड़बड़ी के संबंध में जब तत्कालीन विकासखंड शिक्षा अधिकारी हिंगवासिया से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, तो उनका आधिकारिक मोबाइल नंबर लगातार बंद प्राप्त हुआ, जिससे इन आरोपों को और बल मिल रहा है. वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में मामला आने के बाद, अब सेवानिवृत्त हो चुके बीईओ से इस राशि की शत-प्रतिशत वसूली (रिकवरी) करने की विधिक रूपरेखा तैयार की जा रही है. विभागीय अधिकारियों के मुताबिक, यदि विस्तृत जांच में आरोपों की पुष्टि होती है, तो संबंधित की पेंशन रोकने सहित उनके विरुद्ध पुलिस में आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने की सख्त अनुशंसा की जाएगी.

शासकीय विद्यालयों की दुर्दशा और बच्चों की बुनियादी सुविधाओं के लिए आवंटित बजट में इस तरह के भ्रष्टाचार को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, नागरिकों और शिक्षकों में भारी असंतोष व्याप्त है. नागरिकों का कहना है कि जब बच्चों के भविष्य और शिक्षा से जुड़ी राशि ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाएगी, तो ग्रामीण क्षेत्रों के शासकीय स्कूलों का स्तर कैसे सुधरेगा.

फिलहाल, इस पूरे वित्तीय हेरफेर में संलिप्त प्राचार्यों की जवाबदेही भी तय की जा रही है और पूरे क्षेत्र की नजरें अब जिला प्रशासन की आगामी दंडात्मक कार्रवाई पर टिकी हैं.